

एसआईआर पर मतभेद के आरोपों के बीच चुनाव आयोग की सफाई

एजेंसी

नई दिल्ली। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी Special Intensive Revision (SIR) को लेकर चुनाव आयोग के भीतर कथित मतभेद की खबरों के बीच आयोग ने बुधवार को स्थिति स्पष्ट की। चुनाव आयोग से जुड़े सूत्रों ने कहा कि SIR सहित आयोग के सभी महत्वपूर्ण फैसले तीनों चुनाव आयुक्तों की मंजूरी और सहमति से सर्वसम्मति से लिए गए हैं। इस समय भारतीय निर्वाचन आयोग में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के साथ चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी शामिल हैं। आयोग के सूत्रों के मुताबिक, किसी भी निर्णय को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में तीनों आयुक्तों की स्वीकृति रही है।

14 बार आपत्ति जताने की रिपोर्ट के बाद आया स्पष्टीकरण: आयोग की यह सफाई उस मीडिया

कहा- सभी फैसले सर्वसम्मति से लिए गए



आयोग ने कहा- व्यक्तिगत राय और अंतिम निर्णय अलग-अलग चुनाव आयोग से जुड़े सूत्रों ने स्पष्ट किया कि किसी मुद्दे पर किसी आयुक्त की व्यक्तिगत राय, टिप्पणी या सुझाव को आयोग के अंतिम निर्णय से अलग देखा जाना चाहिए। सूत्रों के मुताबिक, आयुक्त किसी विषय पर अपनी राय रख सकते हैं, लेकिन अंतिम निर्णय आयोग का सामूहिक निर्णय होता है। आयोग का दावा है कि SIR समेत उसके सभी फैसले तीनों आयुक्तों की मंजूरी से लिए गए हैं। आयोग के अधिकारियों ने यह भी कहा कि चुनाव आयोग के कामकाज से संबंधित कानून और सुप्रीम कोर्ट के पूर्व फैसलों में जहां तक संभव हो सर्वसम्मति से निर्णय लेने पर जोर दिया गया है। यदि किसी मुद्दे पर सर्वसम्मति नहीं बनती है, तो नियमानुसार बहुमत के आधार पर निर्णय लिया जा सकता है।

रिपोर्ट के बाद आई है, जिसमें दावा किया गया था कि दोनों चुनाव आयुक्तों-सुखबीर सिंह संधू और

विवेक जोशी-ने पिछले करीब 10 महीनों में आयोग के कुछ फैसलों और आदेशों पर कम से कम 14

एसआईआर को लेकर पहले से जारी है राजनीतिक विवाद

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर राजनीतिक दलों के बीच पहले से ही बहस चल रही है। विपक्षी दल SIR की प्रक्रिया को लेकर सवाल उठाते रहे हैं और आरोप लगाते हैं कि इससे वास्तविक मतदाताओं के नाम प्रभावित हो सकते हैं। दूसरी ओर, चुनाव आयोग का कहना है कि स्ट्रक्चर का उद्देश्य मतदाता सूची को अपडेट करना तथा अपात्र, डुप्लीकेट या अन्य गलत प्रविष्टियों को हटाकर सूची को अधिक सटीक बनाना है। ऐसे में आयोग की ताजा सफाई का मुख्य जोर इस बात पर है कि SIR और अन्य चुनावी फैसलों को लेकर आयोग के तीनों सदस्यों के बीच अंतिम स्तर पर कोई औपचारिक असहमति नहीं थी और सभी फैसले सर्वसम्मति से लिए गए। हालांकि, विभिन्न मुद्दों पर आयुक्तों की ओर से उठाए गए सवालों और टिप्पणियों को लेकर सामने आई रिपोर्ट ने आयोग की आंतरिक निर्णय प्रक्रिया पर नई बहस जरूर शुरू कर दी है।

बार आपत्ति दर्ज की थी। रिपोर्ट में यह भी कहा गया था कि चार आपत्तियां एक ही दिन दर्ज की गई थीं। रिपोर्ट में जिन मुद्दों का उल्लेख किया गया, उनमें फॉर्म-6 में बदलाव, मतदाता सूची से नाम हटाने और जोड़ने की प्रक्रिया,

चुनावी डेटा के प्रबंधन तथा पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची से जुड़े मामलों में अपील जैसे विषय शामिल बताए गए हैं। गोवा में पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं किए जाने से जुड़ा मुद्दा भी रिपोर्ट में सामने आया था।

‘वोट चोरी’ जनता के खिलाफ अपराध बीजेपी-आरएसएस और चुनाव आयोग ने देशद्रोह किया: राहुल

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को चुनाव आयोग और केंद्र की सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) पर एक बार फिर तीखा हमला बोला। उन्होंने मतदाता सूची और SIR (Special Intensive Revision) से जुड़े विवाद के चुनाव अधिकारियों को

लेकर क्या कहा?

राहुल गांधी ने वीडियो संदेश में चुनाव आयोग और चुनाव अधिकारियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि वे जो कर रहे हैं वह गलत है और इसे देश के खिलाफ बताया। उन्होंने कहा कि समय आने पर जिम्मेदार लोगों को जवाब देना होगा। उनका यह बयान ऐसे समय आया है जब द इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले करीब 10 महीनों में आयोग के कुछ फैसलों पर कई बार आपत्ति दर्ज कराई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, इन आपत्तियों में मतदाता सूची में नाम जोड़ने और हटाने तथा मतदाता डेटा से जुड़े मुद्दे शामिल थे।



बीच आरोप लगाया कि ‘वोट चोरी’ देश के लोगों के खिलाफ अपराध और संविधान पर सीधा हमला है।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि BJP, RSS और चुनाव आयोग ने मिलकर ‘वोट चोरी’ को अंजाम दिया और यह देशद्रोह है। उन्होंने अपने पोस्ट में यह भी कहा कि इस मामले में न्याय होगा। उनके बयान के साथ एक वीडियो भी साझा किया गया, जिसमें उन्होंने चुनाव आयोग और उसके अधिकारियों को सीधे संबोधित किया।

एसआईआर को लेकर भी उठे सवाल

रिपोर्ट में चुनाव आयुक्तों द्वारा फॉर्म-6 में बदलाव, ERONet से जुड़े नियंत्रण के केंद्रीकरण, पश्चिम बंगाल में मतदाता नाम हटाने से संबंधित अपील और गोवा में पात्र मतदाताओं के नाम नहीं जुड़ने जैसे मुद्दों पर चिंता जताए जाने का उल्लेख किया गया। हालांकि, चुनाव आयोग ने इन खबरों के बाद स्पष्ट किया है कि SIR समेत आयोग द्वारा लिए गए सभी फैसले तीनों चुनाव आयुक्तों की मंजूरी से सर्वसम्मति से लिए गए हैं। आयोग के अनुसार मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू तथा विवेक जोशी सभी महत्वपूर्ण निर्णयों में शामिल रहे हैं।

राजनीतिक विवाद हुआ तेज

राहुल गांधी लंबे समय से ‘वोट चोरी’ के आरोपों को लेकर चुनाव आयोग और BJP पर सवाल उठाते रहे हैं। ताजा बयान के बाद यह मुद्दा एक बार फिर राजनीतिक बहस के केंद्र में आ गया है। वहीं, चुनाव आयोग ने आंतरिक मतभेद की खबरों को खारिज करते हुए अपने फैसलों को सर्वसम्मति से लिया गया निर्णय बताया है।

ईशान आनंद बने बसपा के राष्ट्रीय संयोजक

मायावती ने छोटे भतीजे को सौंपी आकाश आनंद वाली जिम्मेदारी

अमृत उजाला संवाददाता

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में पार्टी प्रमुख मायावती ने अपने छोटे भतीजे ईशान आनंद को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। उन्हें पार्टी का राष्ट्रीय संयोजक (National Coordinator) नियुक्त किया गया है। इससे पहले यह जिम्मेदारी उनके बड़े भाई आकाश आनंद के पास थी। मायावती ने बुधवार को लखनऊ में पार्टी के राष्ट्रीय पदाधिकारियों और वरिष्ठ नेताओं की बैठक के दौरान ईशान आनंद के नाम की घोषणा



की। यह फैसला ऐसे समय हुआ है जब बसपा में पिछले कुछ समय से

बदलाव हो रहे हैं और पार्टी आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों में जुटी है।

लखनऊ की बैठक में लिया गया फैसला

बसपा की यह बैठक लखनऊ में हुई, जिसमें पार्टी के राष्ट्रीय पदाधिकारी और विभिन्न राज्यों के वरिष्ठ नेता शामिल हुए। बैठक में आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों, संगठन को मजबूत करने और पार्टी की रणनीति पर चर्चा की गई। बैठक के दौरान ईशान आनंद मायावती के साथ नजर आए। इससे पहले बैठक स्थल पर पहुंचने पर उन्होंने मायावती के पैर छूकर आशीर्वाद भी लिया था।

संगठन में बदलाव का दौर जारी

बसपा में हाल के दिनों में कई महत्वपूर्ण संगठनात्मक बदलाव हुए हैं। आकाश आनंद को राष्ट्रीय संयोजक पद से हटाए जाने के बाद पार्टी नेतृत्व ने ईशान आनंद को आगे बढ़ाने का संकेत दिया था। अब उन्हें औपचारिक रूप से राष्ट्रीय संयोजक बनाए जाने के बाद पार्टी संगठन में उनकी भूमिका और महत्वपूर्ण हो गई है। आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए ईशान आनंद को मिली यह जिम्मेदारी बसपा के राष्ट्रीय संगठन में एक अहम बदलाव है। अब राष्ट्रीय संयोजक के तौर पर उनकी भूमिका पार्टी के संगठनात्मक कामकाज और आगामी चुनावी तैयारियों में महत्वपूर्ण रहेगी।

इस रविवार खुले रहेंगे बैंक, सरकार ने क्यों लिया फैसला? 28 से 30 सितंबर तक प्रस्तावित है देशव्यापी हड़ताल

एजेंसी



शनिवार और 27 सितंबर रविवार को सामान्य वीकेड अवकाश पड़ना था। ऐसे में यदि रविवार को भी बैंक बंद रहते, तो 26 सितंबर से 30 सितंबर तक बैंकिंग सेवाओं पर लगातार कई दिनों तक असर पड़ सकता था। वित्त मंत्रालय के मुताबिक, इसी संभावित असुविधा को देखते हुए रविवार को

बैंक खोलने का फैसला किया गया है। सरकार का कहना है कि रविवार को बैंक खोलने का उद्देश्य आम लोगों को जरूरी बैंकिंग जरूरतों को पूरा करने का अतिरिक्त अवसर देना है। ग्राहक हड़ताल शुरू होने से पहले शाखा से जुड़े जरूरी काम निपटा सकेगे। आरबीआई की मंजूरी के तहत

किस मांग को लेकर बैंक कर्मचारी कर रहे हैं हड़ताल?

बैंक यूनियनों की प्रमुख मांग सप्ताह में पांच दिन बैंकिंग व्यवस्था लागू करने की है। वित्त मंत्रालय के अनुसार, यूनियनों ने 28 से 30 सितंबर तक तीन दिवसीय हड़ताल का कार्यक्रम तय किया है। इससे पहले 11 सितंबर को भी एक दिन की हड़ताल हो चुकी है। सरकार ने कर्मचारियों की कुछ मांगों पर कदम उठाने का दावा किया है और यूनियनों से प्रस्तावित हड़ताल वापस लेने की अपील की है। सरकार के मुताबिक, बैंकिंग सेवाएं आम जनता, कारोबार और सरकारी लेन-देन के लिए महत्वपूर्ण हैं और इनके लंबे समय तक प्रभावित होने से ग्राहकों को परेशानी हो सकती है।

30 सितंबर को छमाही क्लोजिंग भी

हड़ताल का समय इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि 30 सितंबर को बैंकों की छमाही क्लोजिंग होती है। सरकार के अनुसार इस अवधि में बैंकिंग व्यवस्था में काम का दबाव रहता है। ऐसे में सप्ताहांत के बाद लगातार तीन दिन की प्रस्तावित हड़ताल से बैंकिंग सेवाओं पर ज्यादा असर पड़ने की आशंका है।

बैंक शाखाओं और कार्यालयों के साथ एटीएम-लिंग शाखाएं और

करेंसी चेस्ट भी 27 सितंबर को संचालित किए जा सकेंगे।

बीएचयू में चीफ प्रॉक्टर को हटाने की मांग पर एबीवीपी का हंगामा, छात्रों ने किया प्रदर्शन

अमृत उजाला संवाददाता

वाराणसी। काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) में चीफ प्रॉक्टर को हटाने की मांग को लेकर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) से जुड़े छात्रों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए चीफ प्रॉक्टर को पद से हटाने की मांग उठाई। छात्रों का आरोप है कि विश्वविद्यालय में सुरक्षा और अनुशासन से जुड़े मामलों को लेकर प्रशासन की कार्यप्रणाली संतोषजनक नहीं है। इसी को लेकर एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने विश्वविद्यालय परिसर में विरोध जताया और अपनी मांगों को प्रशासन के सामने रखा। प्रदर्शनकारी छात्रों ने



मांग की कि विश्वविद्यालय प्रशासन मामले को गंभीरता से लेते हुए चीफ प्रॉक्टर के खिलाफ कार्रवाई करे। छात्रों ने कहा कि उनकी शिकायतों और मांगों पर तत्काल ध्यान दिया जाना चाहिए। बीएचयू के नियमों के मुताबिक चीफ प्रॉक्टर की नियुक्ति विश्वविद्यालय के कार्यकारी परिषद की ओर से कुलपति की सिफारिश पर की जाती है। चीफ प्रॉक्टर विश्वविद्यालय में अनुशासन और सुरक्षा से जुड़े

प्रशासन की भूमिका पर भी सवाल

प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठाए। उनका कहना है कि छात्रों से जुड़े मामलों में प्रशासन को उनकी शिकायतों को गंभीरता से सुनना चाहिए और विवादों का समाधान संवाद के जरिए किया जाना चाहिए। विश्वविद्यालय परिसर में छात्र संगठनों की ओर से विरोध-प्रदर्शन का यह मामला नया नहीं है। इससे पहले भी चीफ प्रॉक्टर और छात्रों के बीच विवाद को लेकर प्रदर्शन और जांच समितियों के गठन की घटनाएं सामने आती रही हैं।

----- दायित्वों का निर्वहन करते हैं।

आपके सपनों का प्लॉट - अब आसान कीमत पर!

LUCKNOW की सबसे बड़ी

जिला पंचायत APPROVED SITE

शांत वातावरण | चौड़ी सड़कें | हरियाली से भरपूर

जिला पंचायत से स्वीकृत (JILA PANCHAYAT APPROVED)

आज निवेश करें, कल सुरक्षित भविष्य बनाएं!

"जीमीन ही एकमात्र निवेश है जो समय के साथ हमेशा बढ़ता है"

सही समय में सही निवेश, बेहतर भविष्य की गारंटी!

जिला पंचायत APPROVED

आपका भरोसा हमारी पहचान

SULTANPUR ROAD, GOSHAINGANJ, LUCKNOW

मात्र ₹1799/- प्रति वर्गफुट

बेहतरीन लोकेशन - शानदार कनेक्टिविटी

लखनऊ-सुल्तानपुर हाईवे से मात्र 3 KM

गोमती एक्सप्रेसवे से मात्र 3 KM

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से मात्र 4.5 KM

लखनऊ सिटी से आसानी से

बुकिंग के लिए अभी संपर्क करें! 9580456295

सोमित प्लॉट उपलब्ध! आज ही बुक करें!

बेहतर लोकेशन • बेहतर भविष्य • बेहतर रिटर्न



अमृत उजाला

NEWS



अमृत उजाला

खबर अभी

DIGITAL

— सच्ची खबर | तेज खबर | आपकी खबर —



हमसे जुड़े
अभी स्कैन करें

अमृत उजाला डिजिटल को रिपोर्टर्स चाहिए

तो जुड़िये
हमारे साथ

उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के सभी जिलों और तहसीलों में

हमारा डिजिटल न्यूज नेटवर्क



सांघ्य ईपेपर



वेबसाइट



न्यूज ऐप



यू ट्यूब



सोशल मीडिया



स्थानीय मुद्दों को उठाने का मंच



समाज में सकारात्मक बदलाव का अवसर



फोटो, वीडियो और डिजिटल रिपोर्टिंग की सुविधा



योग्य और सक्रिय रिपोर्टर्स के लिए आकर्षक अवसर

जमीनी आवाज़ अब डिजिटल पर

सच्ची पत्रकारिता | निष्पक्ष खबरें | जनहित सर्वोपरि

इच्छुक उम्मीदवार संपर्क करें

 **9580456295**
 editor@amritujala.com
 www.amritujala.com

लिखिए अपने क्षेत्र की बात, देश तक

उत्तर प्रदेश

उत्तराखंड

गाँव - गाँव कस्बों - शहरों की आवाज़, अब आपके साथ

कार्यालय पता:
328, Experio Commercial Building,
Vibhuti Khand, Gomtinagar,
Lucknow - 226010, Uttar Pradesh



ASTERA
MEDIA NETWORK PRIVATE LIMITED
Publisher of Amrit Ujala Digital